



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3 उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3 Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित



PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. १५०]

No. 150]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 31, 1979/बैत्र 10, 1901

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 31, 1979/CHAITRA 10, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के स्वरूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(शौधोगिक विकास विभाग)

आवेदन

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1979

S.O. 192(A)/18 एफ बी/आई वी आर ए/79.—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (शौधोगिक विकास विभाग) के आदेश सं. का० आ० 170 (ग्र०)/18एए/आई० ई० आर० ए०/79, तारीख 30 मार्च, 1979 द्वारा मैसरी महादेव टेक्सटाइल मिल्स, हुबली, कनटिक नामक शौधोगिक उपकरण (जिसे इसके पश्चात् उक्त शौधोगिक उपकरण कहा गया है) का समस्त प्रबंध, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क्रम की उपधारा (1) के खंड (क) के अधीन उक्त शास्त्र के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पात्र वर्ष की अवधि के लिए, ले लिया गया है;

और, केन्द्रीय शरकार का उक्त शौधोगिक उपकरण के गंवध में, इस दृष्टि से कि अनुसूचित उद्योग, व्यापार, सूची वस्त्र उद्योग, में उन्पादन की मात्रा में कमी न अन्ति पाए, यह भारतानन्द हो गया है कि भवंगाधारण के द्वारा ऐसा करना आवश्यक है,

यसका, अब, केन्द्रीय शरकार, उक्त अधिनियम की धारा 18खण्ड गी उपधारा (1) के खंड (य) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस आवेदन के जारी होने की तारीख में तुलने पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी मंत्रिवालों, सम्पर्क के हस्तान्तरण-पत्रों, कार्रां संगठनों, पञ्चांग, संग्रहीय आवेदनों का उगम लिया जा (उगमे भिन्न आ

वैको और विस्तीर्ण संस्थाओं के प्रतिशुल वायित्वों से संबंधित है) जिनमें उक्त शौधोगिक उपकरण एक पक्षकार है, या जो ऐसे शौधोगिक उपकरण को लागू हो सकते हैं, पौर उक्त तारीख के पूर्व उनके अधीन उपगत या उद्भूत सभी वाध्यताओं और वायित्वों का प्रबंधन, एक वर्ष की प्रबंधि के लिए नियमित रहेगा।

[का० सं. 3/29/77-सी एस एम]

मारा० रामकृष्ण, संयुक्त भवित्व

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 31st March, 1979

S.O. 192(E)/18FB/IDRA/79.—Whereas, by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 170(E)/18AA/IDRA/79, dated the 30th March, 1979, the management of the whole of the industrial undertaking known as Messrs Mahadeva Textile Mills, HUBLI, Karnataka (hereinafter referred to as the said industrial undertaking), has been taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years from the date of the publication of the said order in the Official Gazette;

And, whereas, the Central Government is satisfied that in relation to the said industrial undertaking, it is necessary so

to do in the interest of the general public with a view to preventing fall in the volume of production in the scheduled industry, namely, cotton textile industry;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18FB of the said Act, the Central Government hereby declares that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of this order (other than those

relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the said industrial undertaking is a party, or which may be applicable to such industrial undertaking, and all obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for a period of one year.

[File No. 3/29/77-CSM]

R. RAMAKRISHNA, Joint Secy.